

प्रेषक,

मंजुल कुमार जोशी,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निबन्धक,
सहकारी समितियाँ,
उत्तराखण्ड।

सहकारिता, गन्ना एवं चीनी अनुभाग:-1

देहरादून

दिनांक 04 जुलाई, 2011

विषय— वित्तीय वर्ष 2011-12 के लिये उत्तराखण्ड राज्य सहकारी परिषद के गठन एवं संचालन (राज्य सेक्टर) हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या:-25/नियो0/सह0परिषद/2011-12 दिनांक 02 अप्रैल, 2011, पत्र संख्या:-1307/नियो0/सह0परिषद/2011-12 दिनांक 10 जून, 2011 तथा वित्त विभाग के शासनादेश संख्या:-209/XXVII (1)/2011 दिनांक 31 मार्च, 2011 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड राज्य सहकारी परिषद के गठन एवं संचालन हेतु ₹ 1800000/- (रुपये अठ्ठारह लाख मात्र) की धनराशि निम्नांकित शर्तों के अधीन अवमुक्त किये जाने तथा नीचे अंकित सारणी की संगत कार्यमदों के अन्तर्गत व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (1) उक्त धनराशि का आहरण/वितरण नियमानुसार मितव्ययता तथा आवश्यकता के अनुरूप किया जायेगा एवं वित्त विभाग के शासनादेश संख्या:-209/XXVII (1)/2011 दिनांक 31 मार्च, 2011 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- (2) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत एवं अधिक व्यय न किया जाय तथा धनराशि का व्यय उन्हीं मदों की सीमा तक किया जाय जो वर्तमान में स्वीकृति हेतु प्रस्तावित हैं।
- (3) इस सम्बन्ध में राज्य सहकारी परिषद द्वारा चालू वित्तीय वर्ष में परिषद के संचालन एवं गठन पर वित्तीय सहायता की धनराशि नियमानुसार स्वीकृति के पश्चात् ही व्यय की जाय व संस्था द्वारा केवल आवश्यक व्यय ही किया जायेगा।
- (4) उक्त वित्तीय स्वीकृति इस शर्त के अधीन है कि धनराशि का व्यय परिषद को अनुमन्य सुविधाओं/मदों पर वास्तविक व्यय तथा संगत नियमों के अन्तर्गत बिलों के सत्यापन के उपरान्त ही किया जाय।
- (5) उक्त धनराशि का उपयोग अन्यत्र अथवा किसी ऐसी मद में न किया जाय, जो अनुमन्य नहीं है। अनधिकृत व्यय की स्थिति में सम्बन्धित अधिकारी इसके लिये व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।
- (6) अगली स्वीकृति के समय वर्ष 2009-10 से 2011-12 की सक्षम स्तर से अनुमोदित वैलेन्सशीट उपलब्ध करायेंगे।
- (7) अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष प्रत्येक माह का व्यय विवरण अगले माह की 5 तारीख तक बी0एम-13 प्रपत्र मर नियमित रूप से वित्त विभाग/शासन तथा महालेखाकार को प्रेषित किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- (8) उक्त व्यय शासन के वर्तमान सुसंगत आदेशों/ निर्देशों के अनुसार किया जायेगा तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि उक्त धनराशि को किसी ऐसे कार्य/ मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिये वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन/सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति अपेक्षित हो। प्रशासनिक व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता सम्बन्धी जारी आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। वित्तीय हस्त पुस्तिका में उल्लिखित

(धनराशि रूपये में)

कार्य की मद	प्रस्तावित धनराशि
यात्रा भत्ता	100000.00
अन्य व्यय	90000.00
मानदेय	120000.00
कार्यालय व्यय	75000.00
विद्युत देय	30000.00
जलकर/जल प्रभार	5000.00
लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	30000.00
कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	50000.00
टेलिफोन पर व्यय	50000.00
गाड़ियों का अनुरक्षण और प्रेट्रोल आदि की खरीद	500000.00
व्यवसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिये भुगतान	400000.00
किराया उपशुल्क एवं कर स्वामित्व	240000.00
आतिथ्य व्यय विषयक भत्ता आदि	30000.00
अन्य व्यय	50000.00
कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	30000.00
योग:-	1800000.00

(रूपये अठ्ठारह लाख मात्र)

2. उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के अनुदान संख्या:-18 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2425-सहकारिता-आयोजनागत-00-800-अन्य व्यय 20-सहकारी परिषद का गठन एवं संचालन-00 की मानक मद-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।
ये आदेश वित्त विभाग के अशा0संख्या:-06/XXVII-4/2011 दिनांक 01 जुलाई, 2011 द्वारा प्रदत्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(मंजुल कुमार जोशी)
अपर सचिव।

संख्या:- 1047(1)/XIV-1/2011, तददिनांक

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी ओबराय बिल्डिंग, माजरा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. आयुक्त, कुमायूँ मण्डल/गढ़वाल मण्डल, उत्तराखण्ड।
3. वित्त अनुभाग-4/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, अल्मोडा।
6. जिला सहायक निबन्धक, सहकारी समितियां, देहरादून उत्तराखण्ड।
7. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
8. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड।
9. प्रभारी, मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(वीरेन्द्र पाल सिंह)